

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 9, होशे 10

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

दो सप्ताह के अवकाश के बाद वापस आने के लिए धन्यवाद। आपसे फिर से मिलकर अच्छा लगा। मुझे राजनीति का ढोल पीटते रहने के लिए खेद है, लेकिन यह पुस्तक जो कह रही है उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

हमारे पास यारोबाम द्वितीय के लगभग 46 साल थे, और उस समय के दौरान, असीरिया काफी हद तक शांत था, और इसलिए उस समय के दौरान इज़राइल और यहूदा दोनों ने लगभग 790 से 752 तक, सुलैमान के समय की तरह ही स्वर्ण युग का अनुभव किया था। ऐसा लग रहा था कि सब कुछ बहुत बढ़िया चल रहा था। इस दौरान आमोस प्रचार कर रहे थे, और लोग कह रहे थे, ठीक है, प्रभु का दिन आ रहा है, और आमोस कहते हैं, आपने सही कहा, लेकिन यह उस तरह का दिन नहीं होगा जिसकी आप उम्मीद कर रहे हैं।

यह न्याय का दिन होगा। अब, आप समझ सकते हैं कि वह संदेश अलोकप्रिय रहा होगा, और उन्होंने उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन वह वहीं रहा। 752 में यारोबाम की मृत्यु हो गई, और उसका बेटा उसके बाद राजा बना।

वह केवल छह महीने ही जीवित रहा, संभवतः एक सेना अधिकारी द्वारा उसे मार दिया गया। वह केवल छह महीने ही जीवित रहा, इससे पहले कि एक अन्य सेना अधिकारी ने उसे मार डाला, और मनहेम एक अच्छा आदमी नहीं था। शल्लूम से छुटकारा पाने के लिए सामरिया के रास्ते में, वह तिरज़ा गाँव से गुज़रा, और उन्होंने स्पष्ट रूप से उसे रोकने की कोशिश की, और उसने पूरे इलाके को मार डाला, बच्चों के साथ महिलाओं को भी पीटा।

कुछ भी नहीं बदलता, है न? इसलिए, मेनाहेम ने निश्चित रूप से जॉर्डन के दूसरी तरफ खुद को स्थापित किया। इस आदमी, पिका ने खुद को स्थापित किया, और इसलिए इस अवधि के लिए वास्तव में आपके पास राजा थे। 745 में सब कुछ बदल गया।

यही वह समय था जब टिग्लथ-पिलेसर तृतीय असीरिया के सिंहासन पर बैठा, और असीरिया की शांति का दौर खत्म हो गया। यह आदमी शीर्ष स्तर का आक्रामक था। इसलिए, लगभग तुरंत ही, आपको समस्याएँ होने लगीं।

मनहेम की मृत्यु हो गई, और उसका बेटा, पेकियाह, इस पूरे समय में अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में अकेला था। पिका-हया को सिंहासन पर बिठाया गया। फिर से, वह 18 महीने से ज़्यादा नहीं टिक पाया, क्योंकि पिका ने तय कर लिया था कि वह पूरी सत्ता अपने हाथ में लेगा।

इस पूरे समय में, आपके पास स्पष्ट रूप से दो पार्टियाँ हैं। आपके पास असीरियन समर्थक पार्टी है। देखिए, हमें बस उनके साथ शांति स्थापित करनी होगी।

इसके अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता। हम उनसे लड़ नहीं सकते। वे हमें बहुत-बहुत बड़ी रकम देकर लूटने जा रहे हैं, लेकिन हम और क्या कर सकते हैं? दूसरी ओर, असीरियन विरोधी पार्टी है।

नहीं, सर, हम उन्हें बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम किसी न किसी तरह से उनसे लड़ेंगे, और मिस्रवासी हमारी मदद करेंगे। इसलिए, यह केवल असीरियन विरोधी नहीं था। यह मिस्र के पक्ष में था।

अब, फिर से, हमारी अपनी स्थिति से समानताएँ बहुत भयावह हैं। ये दोनों पार्टियाँ स्पष्ट रूप से एक दूसरे से नफरत करती थीं और दूसरे को उसके लक्ष्य हासिल करने से रोकने के लिए कुछ भी करने को तैयार थीं। पिका असीरियन समर्थक था।

उसने तिग्लथ-पिलेसर के साथ एक समझौता किया, लेकिन फिर भी, तिग्लथ-पिलेसर ने उत्तरी गैलिली के अधिकांश भाग पर कब्जा कर लिया। उसे होशे ने मार डाला, और तिग्लथ-पिलेसर ने अपने एक इतिहास में कहा है कि उसने होशे को सिंहासन पर बिठाया। यह सच है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन फिर भी, हाँ, एक बहुत बड़ी श्रद्धांजलि के साथ।

37 टन चांदी, एक हजार प्रतिभा और दस प्रतिभा सोना। तिग्लथ-पिलेसर की अंततः 727 में मृत्यु हो गई, और यह स्पष्ट है कि होशे ने तुरंत विद्रोह कर दिया, मिस्रियों से मदद की उम्मीद की। उसे कोई मदद नहीं मिली।

तो, शालमनेसर आया, और यही बात अध्याय 10 के अंत में कही जा रही है। यह गलील का सागर है। दक्षिण-पश्चिमी तट के साथ, चट्टान बहुत सीधी नीचे की ओर है।

अब, यहाँ तिबेरियास शहर है, और 135 ईसा पूर्व में विद्रोह के बाद, जब बार कोखबा, तारे के बेटे ने खुद को मसीहा होने का दावा किया, और रोमनों द्वारा उसे तुरंत निपटा दिया गया, और यहूदियों को यहूदा से बाहर निकाल दिया गया। उसके बाद यहूदा में रहना यहूदियों के लिए एक बड़ी सजा थी। तिबेरियास यहूदी विचारधारा का केंद्र बन गया, और वहाँ बाइबिल का बहुत सारा काम किया गया, लेकिन यह एक बहुत ही खड़ी चट्टान है।

फिर यह पश्चिम की ओर मुड़ जाती है और फिर घूम जाती है। यह गलील का मैदान है। यह मगदला है।

यहीं से मरियम आई थी। यह कफरनहूम है, और यह बेथसैदा है। महान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग इसी रास्ते से नीचे आता था और इसी दर्रे से होकर ऊपर आता था।

इस क्षेत्र को बेथ अर्बेल कहा जाता है। यह अर्बेल चट्टान है। वहाँ खड़े होना एक मन को झकझोर देने वाला अनुभव है क्योंकि आप इस मैदान, मगदला, कफरनहूम, बेथसैदा, सब कुछ देख सकते हैं, और सोच सकते हैं कि यह यीशु का गृह क्षेत्र था।

यदि आप 10वें अध्याय, श्लोक 14 में देखें तो पाठ में क्या लिखा है, "...युद्ध की गर्जना तुम्हारे लोगों के विरुद्ध उठेगी, जिससे तुम्हारे सभी किले तबाह हो जाएंगे, जैसे कि शाल्मन," अर्थात् शाल्मनेसर, "...युद्ध के दिन बेथ अर्बेल को तबाह कर दिया, जब माताएँ अपने बच्चों के साथ ज़मीन पर गिर पड़ीं।" यह एक बहुत ही सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यह वहाँ से होकर आने वाला एक बहुत ही संकरा रास्ता है। चट्टानें ऊँची हैं।

ऐसा लगता है कि आप वहाँ से आने वाले किसी भी व्यक्ति को रोक सकते हैं, लेकिन वे शाल्मनेसर को रोकने में असमर्थ थे। जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में टिप्पणी की, यह दिलचस्प है कि यह वही स्थान है जहाँ सलादीन ने अंतिम महान हार में क्रूसेडर सेना को हराया था। एक बहुत ही चतुर व्यक्ति।

क्रूसेडर अपने युद्ध के घोड़ों और कवच के साथ यहाँ थे। बेशक, अरबों के पास कोई कवच नहीं था। इसलिए, सलादीन पूरे दिन यहाँ इंतज़ार करता रहा, एक गर्म धूप वाला दिन, जबकि शूरवीर अपने कवच में खाना पकाते रहे।

दोपहर के बाद, अरब दर्रे से दहाड़ते हुए आए, और शूरवीर उन्हें रोक नहीं पाए, और यही धर्मयुद्ध का अंत था। तो, वह दर्रा इतिहास में कई बार महत्वपूर्ण रहा है, और उससे भी ज़्यादा, मुझे यकीन है, लेकिन वहाँ इसी बारे में बात की जा रही है। हम इज़राइल के अस्तित्व के पिछले पाँच वर्षों में कभी-कभी उनके बारे में बात कर रहे हैं।

722 में शाल्मनेसर ने आखिरकार सामरिया पर कब्ज़ा कर लिया। वह लगभग तुरंत ही मर गया, और उसके उत्तराधिकारी, सरगोन ने अपने इतिहास में दावा किया कि उसने सामरिया पर कब्ज़ा कर लिया, लेकिन यह लगभग 98 प्रतिशत निश्चित है कि यह शाल्मनेसर ही था जिसने यह किया था, और शायद सरगोन ने ही इसे खत्म किया, और यह भी हो सकता है कि हार के बाद सरगोन ने निर्वासन का प्रबंधन किया हो। लेकिन यह स्थिति है।

तो, हम यहाँ होशे 10 में बात कर रहे हैं, इस्राएल के अस्तित्व के आखिरी सालों में। क्या आपके पास कोई सवाल या टिप्पणी है? क्या मैंने तुम्हें दफना दिया है? ठीक है। ठीक है, चलिए अध्याय 10 को देखते हैं।

इस्राएल एक फैलती हुई बेल थी। उसने अपने लिए फल पैदा किए। ठीक है, अब तक तो सब ठीक है।

जैसे-जैसे उसके फल बढ़ते गए, उसने और वेदियाँ बनवाईं। जैसे-जैसे उसकी ज़मीन समृद्ध होती गई, उसने अपने पवित्र पत्थरों को सजाया। उनका दिल धोखेबाज़ है।

अब उन्हें अपने अपराध का बोझ उठाना होगा। प्रभु उनकी वेदियों को ध्वस्त कर देगा और उनके पवित्र पत्थरों को नष्ट कर देगा। आइए व्यवस्थाविवरण अध्याय 6 पर नज़र डालें। मूसा ने इस तरह की प्रवृत्ति को बहुत स्पष्ट रूप से देखा था।

व्यवस्थाविवरण 6, पद 10. जब तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें उस देश में ले जाए जिसके विषय में उसने तुम्हारे पूर्वजों, अब्राहम, इसहाक, और याकूब से शपथ खाई थी कि वह तुम्हें एक ऐसा देश देगा जिसके बड़े-बड़े समृद्ध नगर तुम ने नहीं बनाए, और ऐसे घर होंगे जिनमें सब प्रकार की अच्छी वस्तुएं तुम ने नहीं रखीं, और ऐसे कुएं होंगे जिन्हें तुम ने नहीं खोदा, और ऐसे दाख की बारियां और जैतून के बाग होंगे जिन्हें तुम ने नहीं लगाया, तब जब तुम खाकर तृप्त हो जाओ, तब सावधान रहना कि तुम उस यहोवा को न भूल जाओ जो तुम्हें मिस्र से, दासत्व के देश से, होशे के पास वापस ले आया है।

वह क्या वर्णन कर रहा है? लोग भूल गए हैं। होशे की पुस्तक में अन्य स्थानों पर, वह कहता है, मैंने तुम्हें तेल, अनाज और नया दाखमधु दिया। और उन्होंने इसका क्या किया? उन्होंने इसे बाल देवताओं को चढ़ाया।

उन्होंने भगवान के उपहारों को लिया और इसका इस्तेमाल मूर्तिपूजक मूर्तियों की पूजा करने के लिए किया। अब, क्या इसका हम पर कोई असर पड़ता है? मैं बार-बार सोचता हूँ, मुझे नहीं पता कि अब आंकड़े क्या हैं, लेकिन 15 साल पहले किए गए एक सर्वेक्षण में कहा गया था कि 8% अमेरिकी दशमांश देते हैं। हममें से 54% चर्च जाते हैं।

हममें से 8% लोग दशमांश देते हैं। सवाल यह नहीं है कि भगवान मेरे पैसे में से कितना मांगते हैं। सवाल यह है कि भगवान के पैसे में से मुझे कितना इस्तेमाल करने देते हैं? हमारी समझ में एक बुनियादी बदलाव होना चाहिए। हम क्यों कह रहे हैं कि यह मेरा पैसा है? हम ऐसा क्यों कहते हैं? हमने इसे कमाया है।

हाँ, मैंने कड़ी मेहनत की। सप्ताह में 50, 60, 70 घंटे।

हाँ। भगवान की हिम्मत कैसे हुई कि वह कहे कि यह उसका पैसा है? क्या यह सच है? क्या यह भगवान का पैसा है? आपको नौकरी किसने दी? आपको स्वास्थ्य किसने दिया? आपको कड़ी मेहनत करने की क्षमता किसने दी? तो इस सप्ताह हमारी सोच के साथ ऐसा ही होना चाहिए। इस सप्ताह।

धन्यवाद। मैं थिस्सलुनीकियों को दिए गए पॉल के भाषण से बहुत प्रभावित हुआ हूँ, जब वह उनसे पवित्र जीवन के बारे में बात कर रहा था। और उसने तीन बातें कही हैं।

सदैव आनन्दित रहो और प्रार्थना करो।

हर समय। और हर बात में, धन्यवाद दें। वह जिस जीवन की बात कर रहे हैं वह ईश्वर की वास्तविकता पर केंद्रित है।

मैंने पहले भी आपके साथ ऐसा किया है। मुझे पता है। लेकिन मुझे वह पुराना कोरस बहुत पसंद है।

70 के दशक का पुराना। एक सुनहरा पुराना गीत। खुशी मेरे दिल के महल से ऊंचा झंडा फहराने जैसा है जब राजा वहां निवास करता है।

हाँ, हाँ, यहीं आनंद का स्रोत है।

ऐसा नहीं है कि मेरे जीवन में सब कुछ ठीक चल रहा है। नहीं। मेरे भगवान यहाँ आकर निवास करने लगे हैं।

आनन्द। और इसलिए, प्रार्थना स्वाभाविक है। बस उससे बात करना जो मौजूद है।

घुटनों के बल न बैठना और हाथ जोड़ना नहीं। और उससे स्वाभाविक रूप से धन्यवाद बहता है। हे प्रभु, आपने क्या किया है? आपने क्या दिया है? ऐसा कैसे हो सकता है कि मैं इस धन्य देश में पैदा हुआ? ऐसा कैसे हो सकता है कि मेरे माता-पिता ईसाई थे? ऐसा कैसे हो सकता है कि मेरे पिता को पुनरुद्धार बैठकों में जाना पसंद था और वे अपने छोटे बेटे को अपने साथ ले जाते थे? ऐसा कैसे हो सकता है? ऐसा कैसे हो सकता है? ऐसा कैसे हो सकता है? जब हमारा जीवन आनंद मनाने, प्रार्थना करने और धन्यवाद देने पर केंद्रित होता है, तो यह उसका पैसा है।

इसका हर एक अंश। और वह खुशी-खुशी एक पिता की तरह काम करता है।

कहो, हाँ, प्रिये, इसे खर्च करो। लेकिन यह मत भूलना कि यह कहाँ से आया है। जैसे-जैसे उसका फल बढ़ता गया, उसने और वेदियाँ बनवाईं।

अब, हमने इस बारे में बहुत बात की है, लेकिन मैं इसे आपके दिमाग में बैठाना चाहता हूँ। वे ऐसा क्यों करते हैं? जैसे-जैसे वे अमीर होते जाते हैं और ज़्यादा आरामदायक होते जाते हैं, वे अपनी आय भगवान पर खर्च करने के बजाय मूर्तियों पर क्यों खर्च करते हैं? या मुझे कहना चाहिए, मूर्तियों और भगवान के प्रति मूर्तिपूजक रवैये पर। वे ऐसा क्यों करते हैं? नियंत्रण।

इस आदमी को एक गोल्ड स्टार दो. यह रहा. यह रहा.

मुझे लगता है कि मैं इस मूर्ति को नियंत्रित कर सकता हूँ। मुझे लगता है कि मैं उसे उपस्थिति दे सकता हूँ या उपस्थिति रोक सकता हूँ। मैं उसे कपड़े पहना सकता हूँ, उसका मेकअप कर सकता हूँ, और मैं उनसे वह करवा सकता हूँ जो मैं चाहता हूँ।

यही बात बाइबल आधारित धर्म के बारे में इतनी भयावह है। आप परमेश्वर से कुछ भी नहीं करवा सकते। आप सिर्फ़ इतना कर सकते हैं कि उसके वचन पर विश्वास करने की हिम्मत करें कि वह अच्छा है।

लेकिन इस प्रति-प्रमाण को देखो, और उस प्रति-प्रमाण को देखो। क्या वह वास्तव में अच्छा है? और यहीं से विश्वास आता है। हाँ, हाँ, आपके वचन में, इस्राएल के लोगों के प्रति आपकी देखभाल में सबूत है।

और वैसे, आप में से कुछ लोगों ने डॉ. हैमिल्टन और मुझे रविवार की रातों में बकबक करते हुए सुना होगा। मेरे लिए, यहूदियों के अभी भी ईश्वर के लोग होने का सबसे मजबूत सबूत उनका अस्तित्व है। ऐसा कैसे हो सकता है कि 2,000 साल बाद भी यहूदी मौजूद हैं, जबकि हम ईसाई हर संभव तरीके से उनसे छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे हैं? और वे न केवल जीवित हैं बल्कि समृद्ध भी हैं।

ऐसा कैसे हो सकता है? खैर, यह मुफ्त है। तो, यह मुख्य बात है। क्या मैं अपने जीवन का नियंत्रण किसी ऐसे व्यक्ति को सौंपने के लिए तैयार हूँ जिसे मैं देख नहीं सकता और नियंत्रित नहीं कर सकता? ज्यादातर लोग ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन ऐसा है।

बस यही है। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। श्लोक 3 और 4। फिर वे कहेंगे, हमारा कोई राजा नहीं है क्योंकि हम प्रभु का भय नहीं मानते।

लेकिन अगर हमारे पास राजा भी होता, तो वह हमारे लिए क्या कर सकता था? वे बहुत सारे वादे करते हैं, झूठी कसमें खाते हैं और समझौते करते हैं। इसलिए, मुकदमे जंगली मैदान में ज़हरीली घास की तरह उग आते हैं। क्या यह आपको जाना-पहचाना लगता है? तो, वे अपने राजनीतिक नेताओं के प्रति कैसा रवैया अपना रहे हैं? विरोधी? निंदक? वे उन पर भरोसा नहीं करते।

और शायद उनके पास एक बहुत अच्छा कारण भी है। इसमें क्या खतरा है? हमारे नेताओं के प्रति एक सनकी विरोधी भूमिका निभाने में क्या खतरा है? हाँ, हमें उनका सम्मान करना चाहिए। तो, इसका मतलब है कि हम उनका सम्मान नहीं करते।

लेकिन वे सम्माननीय नहीं हैं। उनके लिए प्रार्थना करें। उनके लिए प्रार्थना करें।

हाँ। प्रेम चक्र को बिगाड़ दो। हाँ, हाँ, हाँ।

पीछे खड़े होकर यह मत कहो कि, ठीक है, वे ऐसा करते हैं और हाँ, आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? नहीं। उनके लिए प्रार्थना करो। यह कठिन है।

आपने यह कहावत सुनी होगी, और हाल ही में कई लोगों ने भी यही कहा है: लोगों को वह सरकार मिलती है जिसके वे हकदार होते हैं। हे भगवान, क्या हम इसके लायक हैं? हाँ, हम इससे भी बदतर के हकदार हैं। हाँ।

लेकिन याद रखें, पॉल, अधिकार ईश्वर द्वारा स्थापित किया गया है। मुझे लगता है कि अधिकार संरचना वास्तव में वही है जो वह कह रहा है। और जब मैं अपने दिल में उस अधिकार संरचना को कम करना शुरू करता हूँ तो मेरे साथ क्या होता है? मैं अधिकार बन जाता हूँ।

मैं अधिकार बन जाता हूँ। और यही खतरा है। और मुझे पूरा भरोसा है कि इसीलिए पॉल ने रोमियों 13 में जो बातें कही हैं, वे सही हैं।

अब, यह स्पष्ट है। वह यह नहीं कह रहा है कि अधिकारियों की आज्ञा का पालन करो, भले ही वे ईश्वर और ईश्वर की आज्ञाओं के विरुद्ध हों। उसे इसलिए मार दिया गया क्योंकि उसने ऐसा नहीं किया।

वह यह नहीं कहेगा कि सीज़र ईश्वर है। लेकिन, वह कह रहा है कि अगर हम वास्तव में हर समय सरकारी सत्ता के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण में रहते हैं, तो हमारे लिए अवज्ञाकारी बनना बहुत आसान है। अब, ज़ाहिर है, यह एक लोकतंत्र है।

और इसका मतलब है कि हमें न केवल उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए, बल्कि हमें राजनीतिक प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहिए। और यह हमेशा आसान नहीं होता। लेकिन यह है।

ईसाई होने के नाते हमारे लिए यह आह्वान है कि हम उस अधिकार संरचना का समर्थन करें जिसे परमेश्वर अस्तित्व में रहने की अनुमति देता है। हमारे ईसाई धर्म के संदर्भ में समर्थन करें। लेकिन फिर भी, आज्ञाकारिता सीखें।

अवज्ञा सीखना बहुत आसान है। हाँ, धार्मिकता, दृढ़ विश्वास और निर्णय।

हम्म-हम्म. हाँ. हाँ.

हाँ। सत्ता में बैठे लोगों का मज़ाक उड़ाना और उन्हें अपने स्तर पर गिराना।

तो, यह बात सच है। वे परमेश्वर के उपहारों को लेकर उन्हें गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि उन्हें नियंत्रण का एहसास हो। उन्होंने उन लोगों का मज़ाक उड़ाया है जो किसी न किसी तरह से सत्ता में हैं।

और ध्यान दें कि वे क्या कहते हैं। हमारे पास कोई राजा नहीं है। हाँ, आपके पास तो है।

नहीं, नहीं, ये लोग नहीं जिन्होंने एक दूसरे को और बाकी सब को मार डाला। इसलिए, आयत 5 और 6 में, वास्तव में 5 से 8 तक, सामरिया में रहने वाले लोग बेथ एवान की बछड़े की मूर्ति के लिए डरते हैं। याद रखें, यह बेथेल के बारे में बात करने का एक मज़ाकिया तरीका है, जहाँ सुनहरे बछड़ों का दक्षिणी भाग स्थित है।

डैन पहले ही खो चुका है, शायद इससे 20 साल पहले, और बछड़े की मूर्ति भी गायब हो चुकी है। लेकिन एक मूर्ति बची हुई है। उन्हें बेथ एवन की बछड़े की मूर्ति के लिए डर है।

इसके लोग इसके लिए विलाप करेंगे, और इसके मूर्तिपूजक पुजारी भी, जो इसके वैभव पर खुश थे क्योंकि इसे उनसे छीनकर बंदी बना लिया गया है। इसे महान राजा के लिए कर के रूप में अश्वरू ले जाया जाएगा। एप्रैम को अपमानित किया जाएगा।

इजराइल को अपने विदेशी गठबंधनों पर शर्म आएगी। अब, फिर से, हमने इस बारे में बहुत बात की है, लेकिन आप भूल गए हैं। आप सभी नहीं।

जब हम शर्मिंदा होने की बात करते हैं, तो इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि आपने किसी चीज़ पर भरोसा किया है। वह विफल हो गई है। आप शर्मिंदा हैं।

बाइबल में बार-बार यही बात कही गई है। यह शर्मिंदा करने वाली बात नहीं है, ओह, मुझे तो बस तुम पर शर्म आती है। ऐसा नहीं है।

यह सच है; मैं इसलिए अपमानित हूँ क्योंकि मैंने किसी ऐसी चीज़ के बारे में कहा जो वाकई भरोसेमंद है, और इसने मुझे धोखा दिया है। तो, इन लोगों को क्या धोखा दिया है? बछड़े ने उन्हें धोखा दिया है। और क्या? आयत क्या कहती है? उन्होंने एक मूर्ति पर भरोसा किया।

विदेशी गठबंधन। उन्होंने असीरिया के साथ समझौते किए। उन्होंने मिस्रियों के साथ समझौते किए।

और जब उन्होंने ऐसा किया, जब आप किसी राष्ट्रीय गठबंधन के साथ काम कर रहे हैं, तो आप उनके देवताओं के साथ भी गठबंधन कर रहे हैं। भगवान आपको कभी शर्मिंदा नहीं करेंगे। यही बाइबल का आग्रह है।

अब, कई बार ऐसा भी हो सकता है कि हम कहें कि हम भगवान पर भरोसा कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में हम ऐसा नहीं कर रहे हैं, और भगवान हमारी मदद नहीं कर सकते, लेकिन यह भगवान की विफलता नहीं है। यह हमारी विफलता है। तो, मूर्ति न होने की यही सबसे बड़ी बात है।

आपके दुश्मन इसे नहीं ले जा सकते। मैं कल्पना कर सकता हूँ, मैं कल्पना कर सकता हूँ, जब बेबीलोन के लोग यरूशलेम के मंदिर में घुसे, और उन्होंने कहा, वहाँ एक बक्से के अलावा कुछ भी नहीं है। कौन बक्सा चाहता है? वे बछड़े की मूर्ति के लिए डर में रहेंगे।

अब, फिर से, जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, मुझे पूरा यकीन है कि यह कोई छोटा सा बछड़ा नहीं था। यह एक बड़ा सा बैल था, और इसे बछड़ा कहना मज़ाक है। अब, एक साल के बच्चे को बछड़ा कहा जाता है।

तो, यह एक साल का बैल हो सकता है, लेकिन फिर भी, यह एक बैल है। यह बछड़ा नहीं है। और यह अपनी पूरी शक्ति में है।

नहीं, इसके लोग इसके लिए शोक मनाएँगे। इसके मूर्तिपूजक पुजारी भी शोक मनाएँगे क्योंकि वे इसके वैभव पर आनन्दित हुए थे। इसे उनसे छीनकर निर्वासित कर दिया गया।

इसे महान राजा को श्रद्धांजलि के रूप में असीरिया ले जाया जाएगा। धार्मिक प्रतीकवाद में क्या खतरा है? हम इसे भगवान के स्थान पर रखते हैं - यूरोप के महान खाली गिरजाघर।

हम कल्पना कर सकते हैं कि इन चीज़ों को बनाने में कितनी अद्भुत भक्ति शामिल है। लेकिन आखिर में, एक इमारत क्या है? मेरे लिए अपनी विशेष स्थिति के कारण यह कहना बहुत आसान है, लेकिन मैंने यूनाइटेड मथोडिस्ट चर्च में अपने कई दोस्तों से कहा है जो इस बात से दुखी हैं कि हमें अपनी इमारत छोड़नी पड़ेगी। और मेरा जवाब अच्छा है।

चर्च इमारत नहीं है। अब, मेरे लिए यह कहना आसान है कि मैं पादरी नहीं हूँ। मेरे पास कोई ऐसा समुदाय नहीं है जिसने इमारत में बहुत पैसा लगाया हो, लेकिन मैं फिर भी यह कहता हूँ।

मुझे लगता है कि मैंने यह कहानी यहाँ बता दी है। मुझे यह बहुत पसंद है। 20वीं सदी के पहले हिस्से में बहुत सारे चर्च अक्रोन योजना के अनुसार बनाए गए थे।

क्या मैंने यह बताया है? ठीक है। खैर, मैं इसे फिर से बताऊंगा। अक्रोन योजना, वहाँ पुलपिट है।

यहाँ का फर्श ढलानदार है। यानी यहाँ से यह नीचे है। इसलिए, यह एक शानदार प्रचार स्थल है।

इसे प्रचार के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसलिए, मेरे दोस्त को मदर चर्च में नियुक्त किया गया, अक्रोन चर्च जो 1907 में पहली बार उस डिज़ाइन पर बनाया गया था। और उसने पाया कि लोग उस इमारत की पूजा करते हैं।

एक बुजुर्ग उसके पास आया और कहा, या प्रशासनिक बोर्ड में से एक उसके पास आया और कहा, क्या आप कृपया बाइबल का इतना प्रचार करना बंद कर देंगे? और उसने कहा, आप मुझसे क्या प्रचार करवाना चाहते हैं? खैर, अखबार, वर्तमान घटनाएँ। और मेरे दोस्त ने कहा कि आपने गलत लड़के को पकड़ लिया है। खैर, आखिरकार वह चला गया।

और एक शनिवार की रात, वह इमारत जलकर राख हो गई। मैंने उसे सोमवार को फोन किया और पूछा कि वह शनिवार की रात कहाँ था। क्या तुम उस जगह के आस-पास थे जहाँ पेट्रोल कैप था? उसने कहा, नहीं, नहीं, मेरे पास एक अच्छा बहाना है।

लेकिन यह यहाँ है। चर्च ने 18 मिलियन डॉलर जुटाए और इमारत को बिल्कुल वैसा ही बनाया जैसा वह था - बेतावेन की बछड़े की मूर्ति।

तो, यह चुनौती है। क्या भगवान सुंदरता से प्यार करते हैं? हाँ। क्या वह चीज़ों से प्यार करते हैं? हाँ।

लेकिन हम यरूशलेम के मंदिर के बारे में सोच सकते हैं। राजाओं की पुस्तकों पर मेरे काम में एक बात जो मेरे लिए बहुत स्पष्ट हो गई है, वह यह है कि पहले राजाओं के शुरुआती अध्याय मंदिर के निर्माण के बारे में हैं। आठवें अध्याय में सुलैमान की शानदार समर्पण प्रार्थना के बाद, परमेश्वर दूसरी बार उसके सामने प्रकट होता है।

पहली बार गिबोन में, जब उसने उसे वचन दिया था। दूसरी बार परमेश्वर उसके सामने प्रकट हुआ और कहा, अरे, मुझे यह स्थान पसंद है। यह लिविंग ओसवाल्ड संस्करण है।

और मैं यहाँ अपना नाम लिखूँगा। और मैं इन लोगों को आशीर्वाद दूँगा जब तक कि वे मुझसे दूर न हो जाएँ। और उस स्थिति में, मैं इस चीज़ को मलबे का ढेर बना दूँगा।

और राजाओं की पुस्तक का अंतिम अध्याय बेबीलोनियों द्वारा मंदिर को नष्ट करने के बारे में है। इसे इनक्लूसियो कहा जाता है। मंदिर का निर्माण, मंदिर के आवरण को नष्ट करना। और यह हमें बताता है कि हमें पुस्तक के मध्य भाग को कैसे पढ़ना चाहिए। तो, यह रहा।

बिलकुल सही। यह रीति-रिवाजों, चर्च की राजनीति या सिद्धांत में उलझ सकता है। और वेस्ली के दिनों में यही स्थिति थी।

इंग्लैंड में एंग्लिकन चर्च रूढ़िवादी था। यह नरक जितना ही रूढ़िवादी है। नरक बहुत रूढ़िवादी है।

शैतान जानते हैं कि यीशु कौन है। लेकिन वह मरा हुआ था। हम कट्टर मूर्तिपूजक हैं।

हम उन चीज़ों को मूर्तियों में बदलना पसंद करते हैं जिन्हें हम संभाल सकते हैं, जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। क्या मैं एक सच्चा ईसाई हूँ? हाँ। मुझे 39 लेख याद हैं।

याद किया हुआ। यह मेरे बारे में सच नहीं है, लेकिन फिर भी। हाँ।

तो, यह बात यही है। और यही वह बात है जिस पर वह जोर दे रहा है। श्लोक 7. सामरिया का राजा नष्ट हो जाएगा, पानी की सतह पर एक टहनी की तरह बह जाएगा।

दुष्टता के ऊँचे स्थान नष्ट कर दिए जाएँगे। फिर से, हमने ऊँचे स्थानों के बारे में बात की है। वे मंदिर जहाँ देवताओं और यहोवा की पूजा की जाती थी।

काँटे और ऊँटकटारे उग आएंगे और उनकी वेदियों को ढक लेंगे। फिर, यह श्लोक 8 का अंत है, और वे पहाड़ों से कहेंगे, हमें ढक लो। और पहाड़ियों से, हमारे पीछे आओ।

लूका अध्याय 23, आयत 30 को देखिए। 23. यीशु क्रूस की ओर जा रहा है।

स्त्रियाँ उसके लिए रो रही हैं। वे उसके लिए विलाप कर रही हैं और विलाप कर रही हैं, श्लोक 27 के अंत में कहा गया है। श्लोक 28.

यीशु ने फिरकर उन से कहा, हे यरूशलेम की पुत्रियों, मेरे लिये मत रोओ; अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। क्योंकि ऐसा समय आएगा जब तुम कहोगी, धन्य हैं वे स्त्रियाँ जो निःसंतान हैं, और वे गर्भ जो कभी न जने और वे स्तन जो कभी दूध न पिलाए। उनके बच्चे न हुए जो मार डाले जाएँ।

फिर, अब यहाँ देखिए, यह होशे का सीधा उद्धरण है। वे पहाड़ों से कहेंगे, हम पर गिरो, और पहाड़ियों से, हमें ढक लो। वह किस बारे में बात कर रहा है? वह 70 ई. के बारे में बात कर रहा है, 40 साल बाद, जब यरूशलेम को पत्थर-दर-पत्थर अलग किया जाएगा।

अब, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पर नज़र डालें। प्रकाशितवाक्य अध्याय 6, श्लोक 16। तो, 722 में, लोग कहने जा रहे हैं, पहाड़ हम पर गिर जाएँ।

70 ई. में, लोग कह रहे होंगे, पहाड़ हम पर गिर पड़ें। और प्रकाशितवाक्य अध्याय 6, श्लोक 16 में, यह कोई सीधा उद्धरण नहीं है, लेकिन यह एक स्पष्ट संकेत है। श्लोक 15, तब पृथ्वी के राजा, हाकिम, सेनापति, धनी, शक्तिशाली और बाकी सभी, गुलाम और स्वतंत्र, गुफाओं और पहाड़ों की चट्टानों के बीच छिप गए।

उन्होंने पहाड़ों और चट्टानों को पुकारा, हम पर गिरो, और हमें सिंहासन पर बैठे उसके चेहरे से और मेमे के क्रोध से छिपाओ। अब, फिर से, मैं इस तरह की आयतों का उपयोग करना पसंद करता हूँ जब लोग मुझसे बात करते हैं, ओह, मुझे पुराना नियम पसंद नहीं है। इसमें वह सारा क्रोध है।

मुझे नया नियम बहुत पसंद है। यह सिर्फ़ प्यार के बारे में है। हमें मेमे के क्रोध से बचाओ।

तो, असल में, आपके पास ये तीन युग हैं: इज़राइल का विनाश, यरूशलेम का विनाश, और दुनिया का अंत। और हर जगह, ऐसे लोग होंगे जो कहेंगे कि पश्चाताप मत करो, बल्कि मुझे छिपाओ। मुझे आने वाली चीज़ों से बच निकलने दो।

मेरे लिए इसका मतलब यह है कि, क्या मुझे पश्चाताप करने की आदत है जब प्रभु मुझे सुधारते हैं? जब प्रभु मुझे बताते हैं, उन्हें नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं, उनका उपयोग करने का प्रयास करते हैं, उन्हें मेरी छवि में बनाने का प्रयास करते हैं? क्या मुझे पश्चाताप करने और यह कहने की आदत है कि, हे ईश्वर, मुझे क्षमा करें? यदि ऐसा है, तो अंत में, मैं चट्टानों में नहीं छिपूंगा। मैं उनकी कृपा और क्षमा प्राप्त करूंगा। लेकिन हृदय का कठोर होना एक बहुत ही आसान बीमारी है।

होशे की बात पर वापस आते हैं। गिबा के दिनों से ही तुम पाप करते रहे हो। और यहाँ वह न्यायियों की पुस्तक के अंत में बताई गई उस भयानक स्थिति के बारे में बात कर रहा है।

हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि वे अंतिम अध्याय, 17 से 21, अध्याय 1 से 16 के बाद के कालक्रम में हैं या नहीं। हो सकता है कि वे पहले के समय में हुए हों। लेकिन जहाँ तक किताब का सवाल है, यह कह रही है, यहाँ बताया गया है कि यह पूरी बात कहाँ तक पहुँची।

और गिबा की कहानी बिल्कुल सदोम और अमोरा की कहानी जैसी है। और फिर, बाकी सभी जनजातियाँ आत्म-धर्मी हो गईं, और उन्होंने अंदर जाकर सभी बिन्यामीनियों को मार डाला। और फिर उन्होंने सोचा, ओह, एक मिनट रुको, हमारे पास 12 जनजातियाँ होनी चाहिए, है न? हम्म, हम क्या करने जा रहे हैं? खैर, 600 बिन्यामीन बचे हैं।

यहाँ वसंत ऋतु में एक त्यौहार होता है जब सभी कुँवारियाँ मेपोल के चारों ओर नृत्य करने के लिए बाहर आती हैं। यह बात बहुत पुरानी है। इसलिए, हम बिन्यामीनियों से कहेंगे कि वे वहाँ जाएँ और उनमें से कुछ कुँवारियों को पकड़ लें, और हम जनजाति को जीवित रखेंगे।

जिस पर हम कहते हैं, हे परमेश्वर। तो, वह कहता है, गिबा के दिनों से, यानी 600 साल पहले, तूने पाप किया है, इस्राएल, और तू वहीं रह गया है। क्या युद्ध फिर से गिबा में दुष्टों को नहीं पकड़ लेगा? और मुझे लगता है कि यहाँ यह स्पष्ट है कि वह केवल गिबा के बारे में बात नहीं कर रहा है।

तुम लोग गिबा हो। उम्मीद करो कि जो कुछ गिबा के साथ हुआ, वही तुम्हारे साथ भी होगा। जब मैं चाहूँगा, उन्हें सज़ा दूँगा।

राष्ट्र उनके खिलाफ़ इकट्ठे होंगे। और मैं सवाल उठाता हूँ, यहाँ इतिहास का प्रभुत्व है। अशशूर को कौन ला रहा है? ओह, अशशूर सोचता है कि वे ला रहे हैं।

और फिर, मैं इन लोगों के अद्भुत विश्वास के बारे में सोचता हूँ। यहाँ एक छोटा सा देश है, जैसा कि मैंने आपको कई बार बताया है, जो जेसमंड काउंटी के आकार का है। यह जूड़ा है।

आइए हम जेसमंड काउंटी और मैडिसन काउंटी को मिलाकर इज़राइल बनाएँ। हमारा परमेश्वर ही असीरिया का प्रभारी है। वाह।

मुझे लगता है कि यह हमारे लिए और भी ज़रूरी हो जाएगा जब तक कि प्रभु हमें एक महान विश्वव्यापी पुनरुद्धार न दे। जैसे-जैसे चर्च सिकुड़ता जाएगा, हमारे लिए यह कहना आसान होता जाएगा कि, ठीक है, मुझे लगता है कि हमारा ईश्वर पूरी दुनिया का ईश्वर नहीं है। यह इन लोगों, इन होसेस, इन आमोस के लिए कोई समस्या नहीं थी।

जब मैं चाहूँगा, मैं उन्हें दण्ड दूँगा। राष्ट्र उनके विरुद्ध इकट्ठे होंगे और उन्हें उनके दोहरे पाप के लिए बन्दी बनाएंगे। फिर, आयत 11, 12 और 13 पर ध्यान दीजिए।

एप्रैम एक प्रशिक्षित बछिया है जिसे थ्रेसिंग करना बहुत पसंद है। खैर, आपको कटे हुए अनाज के ढेर के बीच में एक खूँटा रखना है, और बछिया के लगाम पर एक रस्सी है जो उस खूँटे तक जाती है, और उसे अनाज के ढेर के ऊपर घुमाया जाता है। और बेशक, जैसे-जैसे रस्सी मुड़ती है, वह खूँटे के ओर करीब आती जाती है।

फिर आप लगाम को इधर-उधर घुमाते हैं, और वह अब बाहर की ओर बढ़ रही है। खैर, यह भारी काम नहीं है। साथ ही, जैसा कि बाइबल हमें बताती है, आपको उस गाय, उस बैल का मुंह नहीं बांधना चाहिए।

अगर वे रास्ते में थोड़ा गेहूँ खाना चाहें, तो उन्हें खाने दो। खैर, यह बुरा नहीं है। ओह, लेकिन देखो, मैं उसकी सुंदर गर्दन पर एक जुआ डालूँगा।

जूए भारी थे। मैं चलाऊंगा, एप्रैम। यहूदा को हल चलाना चाहिए।

जैकब को ज़मीन तोड़नी होगी। तुम्हारा जीवन आसान रहा है। अब यह आसान नहीं रहने वाला है।

और फिर श्लोक 12, दो मुख्य शब्द। अपने लिए धार्मिकता बोओ। हेसेड का फल काटो।

सही काम करो, सही जीवन जियो, सही काम करो, और परमेश्वर तुम पर अपनी अनचाही कृपा बरसाएगा। लेकिन तुमने गलत बोया है। यहाँ पाठ दुष्टता कहता है।

यह सही, गलत का विपरीत है। और आपने विपत्ति का फल खाया है। आपने धोखे का फल खाया है, और यह यहाँ है क्योंकि आप अपनी ताकत पर निर्भर थे।

मुझे भगवान की ज़रूरत नहीं है। मैं बहुत अच्छा कर रहा हूँ। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

तो, यह रहा। चुनाव करें। सही तरीके से बोएं, जैसा कि मैंने कहा, सही व्यवहार, सही दृष्टिकोण, सही अभ्यास।

और आप कैसे जानते हैं कि वे क्या हैं? खैर, वे भगवान के हैं। और इसका परिणाम क्या है? आप बिना किसी योग्यता के प्यार पाएँगे। ऐसा नहीं है कि आप इसके परिणामस्वरूप उस बिना योग्यता वाले प्यार को अर्जित करते हैं, लेकिन यह उन परिस्थितियों को स्थापित करता है जिसमें भगवान इसे दे सकते हैं।

गैरी? ठीक है, बढ़िया। दूसरी ओर, आप गलत बोते हैं। और जो शब्द वहाँ इस्तेमाल किया गया है वह मूल रूप से ईश्वरविहीनता है।

मुझे भगवान की ज़रूरत नहीं है। मैं बहुत अच्छा कर रहा हूँ। यह जीने का गलत तरीका है।

यह सोचने का गलत तरीका है। यह कार्य करने का गलत तरीका है। और आपको इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा।

कई अनुवादों में कहा जाएगा कि आप बुराई काटेंगे। लेकिन इस शब्द का मतलब है, ठीक है, इसका मतलब है बुराई, अन्य चीजों के अलावा। मुझे लगता है कि इसका सबसे अच्छा अंग्रेजी समकक्ष बुरा है।

और इसमें दुर्भाग्य और आपदा से लेकर नैतिक बुराई तक सब कुछ शामिल है। एक को जीवन मिलता है और दूसरे को मृत्यु। हाँ, हाँ।

इसके परिणाम हैं, परिणाम। युद्ध की गर्जना तुम्हारे लोगों के खिलाफ उठेगी ताकि तुम्हारे सभी किले तबाह हो जाएँ, जैसे शालमन ने युद्ध के दिन बेथ अब्बोल को तबाह कर दिया था जब माताओं को उनके बच्चों के साथ जमीन पर पटक दिया गया था। तो, यह तुम्हारे साथ होगा,

बेतेल, तुम्हारी अधर्मीता के कारण - क्या? होशे, तुम्हारे साथ क्या हुआ है? बेतेल देश में सबसे अधिक ईश्वरीय स्थान है।

नहीं, यह ईश्वरविहीनता है क्योंकि आपकी ईश्वरविहीनता बहुत बड़ी है। जब वह दिन आएगा, तो इस्राएल का राजा पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। 722, सब खत्म।

ठीक है, सवाल, टिप्पणियाँ, अवलोकन? सवाल? क्या मैंने तुम्हें दफना दिया है? सभी दिल साफ हैं? श्लोक 12 में एक निर्देश है जहाँ वह कहता है, बंजर भूमि को जोतो। मुझे याद है कि स्टीव इलियट ने कई साल पहले एक शानदार उपदेश दिया था, और उसमें एक बार-बार दोहराया गया था कि, चमत्कार हल के पीछे चलते हैं। हाँ, चमत्कार हल के पीछे चलते हैं।

हाँ, परती ज़मीन को जोतो। हाँ, हाँ। परमेश्वर को काम करने का मौका दो।

खैर, आप नैतिक बुराई की बात कर रहे हैं, और यह मुझे हमेशा आश्चर्यचकित करता है कि कैसे लिंग पर यह पूरी बात दुनिया भर में हावी हो रही है। हाँ, और यह फिर से नियंत्रण का विचार है। मैं तय करूँगा कि मैं कौन हूँ।

हाँ, हाँ, और फिर, आप जो बोएँगे वही काटेंगे। आप जो बोएँगे वही काटेंगे, और यह ईश्वर की दुनिया का एक तथ्य है, और ऐसा ही है। अच्छा, और कुछ? इस अध्याय में इज़राइल की निरंतरता को देखते हुए, और जैसा कि हम इसे अमेरिका में अपने जीवन से जोड़ते हैं, लोग हमेशा निर्माता के बजाय बनाए गए की ओर भागते हैं।

हाँ। पूजा के लिए, और यहाँ तक कि अंत तक, वे चट्टानों के नीचे छिपने के लिए भागते हैं, जैसे कि वे पहाड़ बनाने वाले से छिप सकते हैं। हाँ, हमेशा निर्माता की बजाय बनाए गए की ओर मुड़ते हैं।

मनुष्य को सभी चीज़ों का उद्देश्य बनाना। हाँ, हाँ, और जब आप ऐसा करते हैं, तो आप दुनिया को अर्थहीन बना देते हैं। अगर हम ब्रह्मांड द्वारा बनाए गए सर्वश्रेष्ठ हैं, तो कुछ भी मायने नहीं रखता, और हम बिल्कुल यहीं तक पहुँच गए हैं।

हाँ, हाँ, और यही है, मैंने आपसे पहले भी मिशपत के बारे में बात की है। शफात का अक्सर अनुवाद न्याय करने के लिए किया जाता है, और फिर मिशपत उससे एक संज्ञा है, जिसका अक्सर अनुवाद निर्णय होता है, लेकिन वास्तव में, मैं अधिक से अधिक आश्चर्य हो गया हूँ कि मिशपत दुनिया के लिए ईश्वर का आदेश है, और यदि आप उस आदेश की अवहेलना करते हैं, तो आपके ऊपर दुखद निर्णय आएंगे, न कि किसी न्यायाधीश के कहने पर कि, चलो देखते हैं, मुझे लगता है कि मैं तुम्हारे साथ ऐसा करूँगा। नहीं, यह केवल ईश्वर द्वारा दुनिया को बनाने के तरीके की अवहेलना करने का परिणाम है।

आप ऐसा करते हैं, और परिणाम मिलते हैं। मैंने आपके साथ एक उदाहरण का उपयोग किया है, वह व्यक्ति जो ऊंची इमारत से कूद जाता है। खैर, निश्चित रूप से एक अच्छा भगवान मुझे फुटपाथ पर नहीं कुचल देगा।

इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपका शरीर नीचे की ओर अचानक रुकने के लिए नहीं बना है, और अगर आप ऐसा करते हैं, तो इसके परिणाम होंगे। क्या भगवान ने आपको न्याय दिया है? हाँ, लेकिन किसी मनमाने तरीके से नहीं, जैसे कि, ठीक है, मैं ऐसा करने के लिए तुम्हें सजा दूँगा।

नहीं, आपने उसकी मिश्रत का उल्लंघन किया है, और परिणामस्वरूप, न्याय आप पर पड़ता है।

आइए प्रार्थना करें। स्वर्गीय पिता, आपके वचन के लिए धन्यवाद।

भजनकार ने जो चेतावनियाँ दी हैं, उनके लिए आपका धन्यवाद। हम इन अंधकारमय शब्दों को पढ़ते हैं और कहते हैं, ओह, क्या हम इससे दूर नहीं जा सकते, लेकिन आपकी चेतावनियों के लिए आपका धन्यवाद। हमें उन्हें दिल से मानने में मदद करें।

हमें अपनी दुनिया को नियंत्रित करने की ज़रूरत से मुक्ति दिलाइए। हमें उस कठोर हृदय से मुक्ति दिलाइए जो हमारी कमियों को बताने पर पश्चाताप करने से इनकार कर देता है। हे ईश्वर, हमें अच्छी चीज़ों की मूर्तियाँ बनाने से मुक्ति दिलाइए।

हे प्रभु, हमें सभी पुरुषों और महिलाओं के प्रति प्रेम से चलने में सक्षम बनाइए। हमें हर उस चीज़ में आपकी आराधना करने में सक्षम बनाइए जो हम करते हैं और कहते हैं। आपके नाम में, आमीन।